अध्याय

13

अपू के साथ ढाई साल

सत्यजीत राय

© JCERT not to be republished

जन्म– सन 1921

जन्मस्थान– कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

मृत्यु सन 1992

पहचान– एक प्रसिद्ध फिल्मकार के साथ-साथ रचनाकार।

प्रमुख रचनाएं– प्रोफेसर शंकु के कारनामे, सोने का किला जहांगीर की स्वर्ण मुद्रा, बादशाही अंगूठी आदि।

प्रमुख फिल्में– अपू का संसार पथेर पांचाली शतरंज के खिलाड़ी जलसाघर आदि। पथेर पांचाली बांग्ला भाषा में एवं सद्गति हिंदी में बनाई गई फिल्म है।

पुरस्कार– भारत का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न, ऑस्कर एवं फ्रांस का लेजन डी ऑनर पुरस्कार से सत्यजीत राय को सम्मानित किया गया।

भारतीय सिनेमा जगत में योगदान– सत्यजीत राय ने अपनी फिल्मों के द्वारा ना केवल लोगों का मनोरंजन किया बल्कि सिनेमा को एक कलात्मक ऊंचाई तक भी पहुंचाया हिंदी सिनेमा जगत के लिए एक नई समझ विकसित की जो निर्देशकों और आलोचकों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित हुआ।। उन्होंने अपनी कहानियों में पेड़ पौधे पशु पक्षियों बच्चों सबको स्थान दिया है जो उनकी फिल्म पथेर पंचाली में भी देखने को मिलती है।

पाठ परिचय– सत्यजीत राय द्वारा लिखी गई रचना अपू के साथ ढाई साल एक संस्मरणत्मक रचना है। आज के युग में जहां तकनीकों का भरमार है वही इस रचना को पढ़कर एहसास होता है कि सत्यजीत राय ने कितनी चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी फिल्म को पूरा किया। इस कहानी के माध्यम से हम जान पाएंगे कि एक फिल्मकार किस प्रकार की चुनौतियों का सामना फिल्म बनाने के दौरान करता है। पर्दे पर जो दृश्य हमें लुभावने और मनमोहक लगता है उसे फिल्ममाने में एक फिल्मकार को किन-किन समस्याओं से गुजरना पड़ता है। आइए इस कहानी के माध्यम से इस के अनछुए पहलुओं को समझने की कोशिश करें—

साधन हीनता के बीच एक फिल्मकार– कहानी के माध्यम से यह ज्ञात होता है कि सत्यजीत राय के पास पैसों की भारी कमी थी। साथ ही साथ उस जमाने में आज के जैसे उन्नत तकनीक फिल्मकार के पास में नहीं थी इसके बावजूद भी वे अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से इस फिल्म को फिल्माने में सफल रहे।

पात्रों के चयन में सावधानी– किसी भी फिल्म की जान उसके पात्र ही होते हैं पात्रों के चयन करते समय इसकी सावधानी रखना आवश्यक है सत्यजीत राय ने अथक परिश्रम करने के बाद अपू और दुर्गा का चयन किया। इसके लिए उन्होंने विज्ञापन तक का सहारा लिया।

फिल्म का सही जीवन से मेल खाना– पथेर पांचाली फिल्म कि जो कथावस्तु है वह ग्रामीण परिवेश पर आधारित है। कहानी में ऐसी कई जगहों और घटनाओं का वर्णन है जो साक्षात हमें ग्रामीण परिवेश की याद दिलाती है जैसे मिठाईवाला के पीछे दोनों

© JCERT not to be republished

भाई बहनों का भागना, मिठाई को ललचाए नजरों से देखना, रेल -लाइन के पास काश फूलों से भरा एक मैदान, भाई बहनों के साथ कुत्ता भूलो का स्नेह संबंध आदि।

शंकाओं के बीच में फिल्मकार– लेखक कहते हैं कि फिल्म बनाने में ढाई साल लग जाएंगे ऐसा उन्हें तनिक भी आभास नहीं था। जिस उम्र के साथ बच्चों का चयन किया गया है बच्चे कहीं उससे बड़े ना हो जाए और अस्सी साल की चुनीबाला देवी का देहांत ना हो जाए ऐसी आशंका उनकी मन में बन रही थी किंतु सौभाग्य से ऐसा नहीं हुआ।

चुनौतियों से सामना– फिल्म बनाते समय सत्यजीत राय को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दुर्गा अपू और चुन्नी बाला देवी जो इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभा रही थी उन्होंने तो उम्र के मामले में ने फिल्मकार को धोखा नहीं दिया किंतु भूलो कुत्ता और मिठाई वाला श्रीनिवास की मृत्यु फिल्म बनने के दौरन हो जाता है। जिस काश के वन में पहली शूटिंग हुई थी उसे जानवरों ने खा डाला था। यह एक और नई समस्या थी। पैसों के अभाव में लेखक वर्षा ऋतु में शूटिंग नहीं कर पाते हैं। अपरिचित गांव में जाकर शूटिंग करना इतना आसान नहीं था वहां के लोगों का जहां साथ मिल रहा था वहीं सुबोध दाऔर धोबी आदि जैसे लोगों की हरकतों के कारण उन्हें समस्या भी झेलना पड़ रहा था।

फिल्मकार की चतुराई– दर्शक जिन फिल्मों के दृश्यों को देखकर रोमांचित होते हैं उन्हें फिल्मों में उतारने के लिए फिल्मकार को काफी मशक्कत करना पड़ता है। दृश्यों को मन मुताबिक फिल्म में उतारने के लिए उन्हें कभी-कभी चतुराई का प्रयोग करना पड़ता है। सत्यजीत राय के साथ भी ऐसे ही कुछ वाक्यांश घटते हैं। भूलो कुत्ते पर फिल्म की शूटिंग का एक हिस्सा फिल्माया गया था दूसरे दृश्य को फिल्माने के पहले ही भूलो कुत्ते की मृत्यु हो जाती है ऐसे में लेखक के सामने एक कठिन परिस्थिति उत्पन्न होती है दृश्य में समानता लाने के लिए फिल्मकार ने अथक परिश्रम करके भूलो कुत्ते से मिलता जुलता कुत्ते के साथ फिल्म के शेष बचे भाग की शूटिंग की। ठीक उसी प्रकार मिठाईवाला का किरदार निभा रहे श्रीनिवास की भी मृत्यु हो जाती है। शूटिंग के पहले हिस्से में जहां श्रीनिवास को बांसबन के सामने से आते हुए दिखाया गया है वहीं दूसरे नंबर के श्रीनिवस को पीछे की तरफ से शूटिंग में फिल्माया गया है ताकि लोगों को इस बात का एहसास ना हो सके कि यह पहले नंबर वाला श्रीनिवास नहीं है।

मन पर अंकित हो जाने वाले दृश्य– फिल्मकार ने फिल्म की कहानी के साथ साथ में दृश्य के फिल्ममाकंन पर भी ध्यान दिया है। काश के फूल की पृष्ठभूमि पर रेलगाड़ी से उठने वाली काली धुंआ का मेल दृश्य को मनमोहक बना देता इस दृश्य को फिल्माने में अनिल बाबू नामक टीम मेंबर का बड़ा योगदान रहता है क्योंकि वह ठीक काश के फूल के सामने इंजन के बॉयलर में कोयला डालने का काम करते हैं जिससे काला धुआं उठ सके। कुत्ते का दुर्गा और अपू के पीछे भागना भी स्वाभाविक प्रतीत होता है। फिल्मकार यहां फिर से चलाकी करते हैं। दुर्गा के हाथों में कुछ मिठाई देकर वे

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

© JCERT not to be republished

अप्रशिक्षित कुत्ते को दोनों भाई बहन के पीछे दौड़वाने में सफल होते हैं।

मानवीय स्वभाव को उकेरने की चेष्टा (प्रयास) –आर्थिक तंगी के कारण दुर्गा और अपू मिठाई नहीं खरीद पाते हैं किंतु बाल सुलभ गुण के कारण वे मिठाई वाले का पीछा करते हुए मुखर्जी बाबू के घर तक पहुंचते हैं मुखर्जी बाबू जैसे अमीर व्यक्तियों का मिठाई खरीदते देखना ही उन्हें संतोष प्रदान करती है यह दृश्य हृदय को झकझोर देता है। आगे एक दृश्य में अपू की मां सर्वजया द्वारा बच्चे को भात खिलाने की चेष्टा करती है किंतु अपू खेल में मग्न हो तीर चलाने के लिए खाना बीच में छोड़ कर भाग जाता है सर्व जया कुछ दूर उसके पीछे भागती है किंतु थोड़ी देर बाद वह बचे हुए भात को गमले में डाल देती है ताकि वहां पर बैठा कुत्ता उसे खा सके यह दृश्य आत्मिक शांति देती है, क्योंकि जहां आर्थिक तंगी के कारण बच्चे मिठाई नहीं खरीद पा रहे हैं वहीं बचे हुए अन्न को पालतू कुत्ते को खिलाना काफी सुखद अनुभूति प्रदान करती है।

पाठ सांरश

संस्मरण की शुरुवात करते हुए लेखक कहते हैं कि “पथेर पांचाली” फिल्म की शूटिंग ढाई साल तक चली। इन ढाई सालों में हर रोज शूटिंग नही होती थी।

लेखक उस समय एक विज्ञापन कंपनी में नौकरी करते थे। इसीलिए वो कंपनी के काम से फुर्सत मिलने के बाद और पैसों का इंतजाम होने पर फिल्म की शूटिंग करते थे।

सत्यजीत राय ने अथक परिश्रम करने के बाद अपू और दुर्गा का चयन किया। इसके लिए उन्होंने विज्ञापन तक का सहारा लिया।

जिस उम्र के साथ बच्चों का चयन किया गया है बच्चे कहीं उससे बड़े ना हो जाए और अस्सी साल की चुनीबाला देवी का देहांत ना हो जाए ऐसी आशंका उनकी मन में बन रही थी किंतु सौभाग्य से ऐसा नहीं हुआ।

जिस काश के वन में पहली शूटिंग हुई थी उसे जानवरों ने खा डाला था। पैसों के अभाव में लेखक वर्षा ऋतु में शूटिंग नहीं कर पाते हैं।अंत में इसकी शूटिंग शरद ऋतु में पूरी की जाती है।

© JCERT not to be republished

जिस काश के वन में पहली शूटिंग हुई थी उसे जानवरों ने खा डाला था। पैसों के अभाव में लेखक वर्षा ऋतु में शूटिंग नहीं कर पाते हैं।अंत में इसकी शूटिंग शरद ऋतु में पूरी की जाती है।

भूलो कुत्ते पर फिल्म की शूटिंग का एक हिस्सा फिल्माया गया था। दूसरे दृश्य को फिल्माने के पहले ही भोलू कुत्ते की मृत्यु हो जाती। अथक परिश्रम करके भोलू जैसे कुत्ते को खोज कर फिल्म के शेष बचे भाग की शूटिंग की जाती है।

मिठाईवाला का किरदार निभा रहे श्रीनिवास की भी मृत्यु हो जाती है। लेखक श्रीनिवास के चेहरे के जैसा तो नहीं पर उसके शरीर से मिलता जुलता एक व्यक्ति को ढूंढ कर लाते हैं शूटिंग के पहले हिस्से में जहां श्रीनिवास को बांसबन के सामने से आते हुए दिखाया गया है वहीं दूसरे नंबर के श्रीनिवस को पीछे की तरफ से शूटिंग में फिल्माया गया है।

टीम में अनिल बाबू का बड़ा योगदान रहता है क्योंकि वह ठीक काश के फूल के सामने इंजन के बॉयलर में कोयला डालने का काम करते थे जिससे काला धुआं उठ सके।

आर्थिक तंगी के कारण दुर्गा और अपू मिठाई नहीं खरीद पाते हैं किंतु वे मिठाई वाले का पीछा करते हुए मुखर्जी बाबू के घर तक जाते हैं।

शूटिंग की दृष्टि से गोपालग्राम की तुलना में बोडल गांव अधिक उपयुक्त था क्योंकि यहां घर ,स्कूल ,मैदान शूटिंग के अनुकूल था किंतु सुबोध दा और धोबी जैसे व्यक्ति के कारण शूटिंग के दौरान काफी परेशानी उठाना पड़ा।

साउंड रिकॉर्डिस्ट भूपेन बाबू को एक बड़ा सांप खिड़की से उतरते दिखता है जिसे स्थानीय लोग मारने से मना करते हैं उसे वास्तु सर्प कहकर छोड़ दिया जाता है।

शब्दार्थ

पथेर – पथ का, रास्ता का।

पांचाली– बांग्ला भाषा में गाए जाने वाला एक लोकगीत।

एवेन्यू– पेड़ से घिरा चौड़ा सड़क।

पर्याप्त– आवश्यकतानुसार, काफी।

भाडे पर– किराए पर।

अंदाजा – अनुमान।

© JCERT not to be republished

बौराए हुए – असमंजस की स्थिति में।

कालखंड– समय का एक हिस्सा।

स्थगित– रोका हुआ।

निर्णय– फैसला।

कंटिन्युइटी– निरंतरता, लगातार।

शॉर्ट्स– दृश्यों को फिल्माना

टाइम–टेबल– समय सारणी।

साउंड रिकॉर्डिस्ट– आवाज की रिकॉर्डिंग करने वाला।

देहांत– मृत्यु।

सज्जन– भला आदमी।

बांसबन– बांस का जंगल।

अंश– हिस्सा।

मुश्किल– कठिन।

हॉलीवुड– संयुक्त राज्य अमेरिका का फिल्म उद्योग।

बारिश– बरसा, बरसात।

धुआंधार – तेज।

नेबूर पाता– नींबू का पत्ता।

वृष्टि– वर्षा।

ब्रांडी– एक तरह का विदेशी शराब।

मरम्मत–ठीक करना, दुरुस्त करना।

फुर्सत– खाली समय।

निरभ्र– मेघ रहित।

काश फूल– एक तरह का घास जो शरद ऋतु के आगमन पर खिलता है।

किराए पर।

इंटरव्यू – साक्षात्कार। बेहाल बेचैन।

स्थगित– रोका हुआ।

कंटिन्युइटी– निरंतरता, तारतम्यता

शॉट्स– दृश्यों को शूट करना।

पुकुर– पोखर, छोटा ताल।

बर्ताव– व्यवहार।

सीन– दृश्य।

जाया– बर्बाद, व्यर्थ।

नदारद– गायब।

नवागत होना– नए क्षेत्र या विषय को जानना।

भात– पका हुआ चावल।

बॉयलर– रेलगाड़ी के इंजन का वह हिस्सा, जिसमें कोयला डाला जाता है।

ध्वस्त– टूटा -फूटा।

वास्तुसर्प– वह सर्प (सांप) जो घर में अक्सर दिखाई देता है। मान्यता के अनुसार उसे कुलदेवता (बांग्ला में वास्तुसर्प) कहते हैं।

अवस्था– दशा, हालत।

© JCERT not to be republished

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1- पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?

उत्तर- फिल्मकार एक विज्ञापन कंपनी में काम करते थे उनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि वह फिल्म का निर्माण समय पर कर पाते। पैसों के अभाव में भी कई बार उन्हेंशूटिंग को रोकना पड़ा इसलिए शूटिंग की अवधि लंबी खिंच गई।

प्रश्न- उसमें से 'कंटीन्यूटी' नदारद हो जाती फिल्मकार के द्वारा इस प्रकार के कथन के पीछे क्या भाव हो सकते हैं

उत्तर- सत्यजीत राय के लिए फिल्म बनाना एक कला का माध्यम था व्यवसायिक नहीं। सत्यजीत राय को पैसे के अभाव में फिल्म बनाने में कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ा इसके बावजूद भी वे किसी भी दृश्य में काट छांट नहीं चाहते थे शायद वे फिल्मों को लोगों की भावनाओं से जोड़ने का एक माध्यम मानते थे।

प्रश्न 3- किन दो दृश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते कि उनकी शूटिंग में कोई तरकीब अपनाई गई है।

उत्तर- भूले कुत्ते और मिठाई वाले श्रीनिवासन के शूटिंग में जो तरकीब अपनाई जाती है उसे दर्शक पहचान नहीं पाते हैं। इन दोनों पात्रों की मृत्यु फिल्म के निर्माण के दौरान ही हो जाती है। लेखक ने अपनी चतुराई से इस समस्या का समाधान किया और शूटिंग पूरी की।

प्रश्न 4- 'भूलो ' की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया? उसने फिल्म के किस दृश्य को पूरा किया?

उत्तर- फिल्म के निर्माण के दौरान ही भूलो कुत्ते की मृत्यु हो जाती है। आगे की शूटिंग में भी भूलो कुत्ते का सीन फिल्माया जाना बाकी था ऐसी स्थिति में दूसरे कुत्ते को लाना आवश्यक हो गया जो भूलो के ही समान दिखता हो। अपू की मां सर्वजया द्वारा भात को एक गमले में डालने पर भूलो द्वारा खाया जाता है। इस दृश्य का फिल्मांकन करना बाकी था जो नंबर दो भूलो कुत्ते के माध्यम से पूरा किया जाता है। अन्य दृश्य में दोनों भाई-बहन जब मिठाई वाले के पीछे भागते हैं उसी समय भूलो कुत्ते को भी उनके पीछे भागना था इस दृश्य का फिल्मांकन भी दो नंबर के कुत्ते से करवाया गया।

प्रश्न 5- फिल्म में श्रीनिवास की क्या भूमिका थी और उनसे जुड़ी बाकी दृश्यों को उनके गुजर जाने के बाद किस प्रकार फिल्माया गया?

उत्तर- फिल्म में श्रीनिवास एक मिठाई बेचने वाले की भूमिका में था। शूटिंग के पहले हिस्से में श्रीनिवास को बांस बन के सामने से आते हुए दिखाया गया है वहीं दूसरे नंबर के श्रीनिवस को पीछे की तरफ से शूटिंग में फिल्माया गया है ताकि लोगों को इस बात का एहसास ना हो सके कि यह पहले नंबर वाला श्रीनिवास नहीं है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 6- बारिश का दृश्य चित्रित करने में क्या मुश्किल आई और उसका समाधान किस प्रकार हुआ?

उत्तर- पैसों की तंगी के कारण बारिश की शूटिंग तय समय पर नहीं हो पाई ऐसे में फिल्मकार को अक्टूबर महीने में इसकी शूटिंग करनी पड़ी जो काफी कठिन काम था क्योंकि अक्टूबर महीने में घनघोर बारिश होने की संभावना ना के बराबर होती है। लेखक के भाग्य ने साथ दिया और बारिश की शूटिंग को पूरी की गई।

प्रश्न 7- किसी फिल्म की शूटिंग करते समय फिल्मकार को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन्हें सूचीबद्ध कीजिए

उत्तर- आर्थिक समस्या, पात्रों का चयन, लोगों का सहयोग, पात्रों का व्यवहार, तकनीकी समस्याएं, पात्रों की मृत्यु, पात्रों का किसी कारण से अनुपस्थित रहना, पात्रों का उम्र, पात्रों के द्वारा दिए जाने वाला समय, शूटिंग में काम कर रहे प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी आदि।

जैसे बारिश में दोनों भाई बहन की भीगने के बाद कांपने पर उनकी उचित देखभाल फिल्मकार के द्वारा की गई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1- 'अपू के साथ ढाई साल' पाठ के लेखक कौन है एवं यह किस विधा की रचना है?

उत्तर- 'अपू के साथ ढाई साल' पाठ के रचनाकार 'सत्यजीत राय' हैं एवं संस्मरणात्मक विधा में यह लिखी गई रचना है।

प्रश्न 2- सत्यजीत राय द्वारा निर्मित (बनी) पहली फिल्म का नाम क्या था?

उत्तर- पथेर पांचाली। सत्यजीत राय द्वारा निर्मित फिल्म थी। यह फिल्म 1955 में प्रदर्शित हुई थी।

प्रश्न 3- प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास पथेर पांचाली के लेखक कौन हैं?

उत्तर- बिभूतिभूषण बंदोपाध्याय। ये बंगला के प्रसिद्ध लेखक और उपन्यासकार थे इनकी सबसे प्रसिद्ध कृति पथेर पांचाली है।

प्रश्न 4- फिल्म पथेर पांचाली कितने वर्ष में बनी एवं फिल्म की भाषा क्या थी?

उत्तर- फिल्म पथेर पंचाली को बनने में ढाई वर्ष लगे यह फिल्म बांग्ला भाषा में बनाए बनाई गई थी।

प्रश्न 5- फिल्म निर्माण के समय लेखक कहां काम करते थे? उनकी आर्थिक स्थिति कैसी थी?

उत्तर- एक विज्ञापन कंपनी में। लेखक की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। फिल्म बनाने के दौरान पैसा मूल समस्या थी।

प्रश्न 6- फिल्म में अपू की भूमिका निभाने

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

वाले बाल कलाकार का क्या नाम था और वह कितने वर्ष का था?

उत्तर- सुबीर बनर्जी नामक बाल कलाकार ने पथेर पंचाली में काम किया उसकी आयु 6 वर्ष की थी।

प्रश्न 7- लेखक को किस बात का डर था?

उत्तर- फिल्म निर्माण के दौरान इतना लंबा समय लगेगा इसका अंदाजा लेखक को नहीं था फिल्म में काम करने वाले बाल कलाकार की उम्र बढ़ने की चिंता उन्हें सता रही थी।

प्रश्न 8- इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली महिला का क्या नाम था एवं उनकी आयु क्या थी?

उत्तर- इंदिरा ठुकरान की भूमिका अस्सी साल की चुनीबाला देवी ने निभाई थी।

प्रश्न 9- फिल्म निर्माण में सबसे बड़ी बाधा क्या थी?

उत्तर- समय और पैसों की कमी फिल्म निर्माण में सबसे बड़ी बाधा थी।

प्रश्न 10- फिल्म में काम करने वाले बाल कलाकारों के क्या नाम थे?

उत्तर- दुर्गा और अपू।

प्रश्न 11- पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम कितने साल तक चला? और क्यों?

उत्तर- ढाई साल तक पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग चली क्योंकी फिल्मकार की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी की वे समय पर शूटिंग पूरी कर पाते।

प्रश्न 12- काश फूल से भरा मैदान कहां स्थित था? काश क्या है?

उत्तर- रेल लाइन के पास। काश एक प्रकार का पास है जिसके फूल सफ़ेद रंग के होते हैं। ये शरद ऋतू का फूल है।

प्रश्न 13- काश फूल के शूटिंग के दौरान लेखक को किस परेशानी का सामना करना पड़ा?

उत्तर- जानवरों द्वारा काश फूल खा लेने के कारण शूटिंग पूरी नहीं हो सकी।

प्रश्न 14- काश फूल की शूटिंग के दौरान कितनी रेलगाड़ियों का इस्तेमाल किया गया था एवं शूटिंग में क्या परेशानी हुई?

उत्तर- काश फूल की शूटिंग के दौरान 3 रेलगाड़ियों का इस्तेमाल किया गया था एवं अनिल बाबू नामक व्यक्ति बॉयलर में कोयला झोंकने का काम करते थे ताकि काला धुआं उठ सके।

प्रश्न 15- काश फूल के सामने बॉयलर से काला धुआं उठना क्यों आवश्यक था?

उत्तर- काश फूल के सफेद पृष्ठभूमि पर काला धुआं उठने से दृश्य सुंदर दिखता इसलिए बॉयलर से काला धुआं निकलना आवश्यक था।

प्रश्न 17- लेखक की फिल्म बनाने के दौरान मूल समस्या क्या थी?

उत्तर- आर्थिक अभाव लेखक की सबसे बड़ी मूल समस्या थी।

प्रश्न 18- फिल्म निर्माण के दौरान निर्माता

© JCERT not to be republished

को किन -किन समस्याओं से जूझना पड़ा?

उत्तर- काश फूल का जानवरों द्वारा खाया जाना, भूलो कुत्ता एवं मिठाई वाले श्रीनिवास की मृत्यु आधे शूटिंग के दौरान हो जाना, बारिश का फिल्मांकन वर्षा ऋतु में ना हो पाना आदि जैसी समस्याओं से लेखक को जूझना पड़ा।

प्रश्न 19- समय पर बारिश का दृश्य चित्रित लेखक क्यों नहीं कर पाए?

उत्तर- पैसों की कमी के कारण लेखक समय पर बारिश का दृश्य चित्रित नहीं कर पाए।

प्रश्न 20- अपू की मां का नाम क्या था एवं वह फिल्म की शूटिंग में क्या करती नजर आई?

उत्तर- अपू की मां का नाम सर्वजया था। शूटिंग के दौरान उन्हें अपूको भात खिलाना था।

प्रश्न 21- भूलो ललचाए निगाह से क्या देख रहा था?

उत्तर- सर्वजया का अपू को भात खिलाने के दृश्य को भूलो ललचाए निगाहों से देख रहा था।

प्रश्न 22- भूलो कौन था?

उत्तर- भूलो अपू और दुर्गा का पालतू कुत्ता था। फिल्म के आधे शूटिंग के दौरान उनकी मृत्यु हो जाती है।

प्रश्न 23- अपू और दुर्गा फिल्म में कौन सी भूमिका निभा रहे थे ? अपू का परिचय दें।

उत्तर- भाई और बहन के। अपू छः वर्ष का बच्चा है जो लेखक के पड़ोस में रहता था, उसका मूल नाम सुबीर बनर्जी था

प्रश्न 24- फिल्मकार को किस बात का अनुमान नहीं था ?

उत्तर- फिल्म का कार्य आगे ढाई साल तक चलेगा।

प्रश्न 25- भूलो एवं मिठाई वाले श्रीनिवासन के मृत्यु के बाद दृश्यों का फिल्मांकन किस प्रकार से किया गया?

उत्तर- भोलू कुत्ते से मिलता-जुलता एक कुत्ते की खोज की गई एवं नंबर श्रीनिवासन को बांसवन से आते दिखाया गया है वहीं नंबर दो वाले श्रीनिवासन को पीछे से फिल्माया गया।

प्रश्न 26- अपू और दुर्गा पहली बार रेलगाड़ी देखते हैं इस दृश्य की शूटिंग के लिए लेखक ने कौन सा स्थान चुना था?

उत्तर- रेल लाइन के पास काश फूलों से भरा एक मैदान को उन्होंने इस दृश्य के फिल्मांकन के लिए चुना था।

प्रश्न 27- रेल गाड़ी वाले फिल्म का फिल्मांकन एक दिन में मुमकिन क्यों नहीं हो पाया?

उत्तर- इस सीन की शूटिंग बहुत ही बड़ा था इसलिए इसकी शूटिंग एक दिन में होना नामुमकिन था।

प्रश्न 28- जानवरों के द्वारा काशफूल खा डालने पर लेखक ने इसकी शूटिंग बाद में क्यों की?

उत्तर- लेखक चाहते तो किसी तरह से इसकी

© JCERT not to be republished

शूटिंग पूरी कर लेते किंतु मेल बैठाने के लिए उन्होंने इसकी शूटिंग बाद में की।

प्रश्न 29– 'कंटिन्यूटी नदारद हो जाती' इस शब्द का क्या अभिप्राय है।

उत्तर– दो वस्तुओं में एक समानता दिखाने को ही लेखक कंटिन्यूटी मानते थे। काश के फूल का जानवर द्वारा खाए जाने पर वेफिल्म की शूटिंग नहीं करना चाहते थे।

प्रश्न 30– फिल्म में कंटीन्यूटी नदारद ना हो जाए इसलिए काश वन की शूटिंग लेखक ने दोबारा कब की?

उत्तर– अगले साल शरद ऋतु में की फिर से जब मैदान काश फूलों से भर गया तब जाकर लेखक ने उस सीन के बाकी अंश की शूटिंग की।

प्रश्न 31– फिल्मकार को भूलो कुत्ते के की वजह से किस प्रकार की परेशानी उठानी पड़ी?

उत्तर– शूटिंग के एक हिस्से में भूलो कुत्ते को अपू और दुर्गा के पीछे भागना रहता है किंतु बहुत कोशिश करने के बाद भी भूलो भाई-बहन के पीछे नहीं दौड़ता है।

प्रश्न 32– भूलो अपू और दुर्गा का पालतू कुत्ता है यह दिखाने के लिए लेखक किस प्रकार का दृश्य फिल्माना चाह रहे थे?

उत्तर– भूलो अपू और दुर्गा का पालतू कुत्ता है यह दृश्य दिखलाने के लिए भूलो का भाई -बहन के पीछे दौड़ना आवश्यक था, ताकि कुत्ता फालतू लग सके।

प्रश्न 33– भाई-बहन के पीछे कुत्ते का ना दौड़ने पर लेखक ने क्या उपाय किया?

उत्तर– लेखक ने दुर्गा के हाथ में थोड़ी सी मिठाई छुपाने के लिए कहा ताकि कुत्ता इसे देखकर उसके पीछे दौड़ सके और यह उपाय काम कर गई।

प्रश्न 34– शरद ऋतु में वर्षा के दृश्य का फिल्मांकन लेखक ने किस प्रकार से किया?

उत्तर– शरद ऋतु में वर्षा होगी ऐसी आशा लेकर लेखक अपू और दुर्गा के साथ कैमरा और टेक्नीशियन को लेकर हर रोज देहात में जाकर बैठा करते थे।

प्रश्न 35– लेखक ने कुछ मानवीय संवेदनाओं से जुड़े दृश्यों को फिल्माया है किसी एक का उदाहरण दें।

उत्तर– अपू और दुर्गा मिठाई खरीद नहीं सकते थे पर दूसरे को खरीदते देखने में ही उन्हें सुख था इस प्रकार का दृश्य मानवीय संवेदना का एक उदाहरण है।

प्रश्न 36– फिल्म में कई जगह मानवीय संवेदना युक्त दृश्य दिखाए गए हैं उदाहरण दें।

उत्तर– घर की आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के बाद भी पालतू कुत्ता का रखना, दूसरे को मिठाई खरीदते देखकर ही संतोष कर लेना एवं वर्षा रितु जैसे समय मे अपू के देह पर कम कपड़ा होना आदि मानवीय संवेदनाओं से युक्त फिल्म में दर्शाए गए हैं।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 37- सत्यजीत राय फिल्म को एक कला माध्यम के तौर पर देखते थे। कैसे?

उत्तर- उन्होंने फिल्म की एक-एक शूटिंग पूरे मन से की। हालांकि उन्हें समय पैसों और पात्रों से संबंधित कई समस्याओं को झेलना पड़ा फिर भी उन्होंने समस्याओं से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया।

प्रश्न 38- 'पथेर पांचाली' का अर्थ बताएँ।

उत्तर- पथेर का अर्थ है रास्ता और पांचाली का अर्थ है बांग्ला गांव में गये जाने वाला लोक गीत।

बहु वैकल्पिक प्रश्न उत्तर

1. 'अपू के साथ ढाई साल' पाठ के लेखक कौन है?

(क) कृष्णा सोबती

(ख) प्रेमचंद

(ग) सत्यजीत राय

(घ) शेखर जोशी

उत्तर- (ग) सत्यजीत राय

2. 'अपू के साथ ढाई साल किस विधा' की रचना है?

(क) निबंध

(ख) संस्मरणात्मक विधा

(ग) कहानी

(घ) कविता

उत्तर- ख) संस्मरणात्मक विधा

टिप्पणी-स्मृति के आधार पर किसी विषय, घटना ,दृश्य या व्यक्ति पर लिखे गए लेख को संस्मरण कहते हैं।

3. सत्यजीत राय द्वारा निर्मित (बनी) पहली फिल्म का नाम क्या था?

(क) जलसाघर

(ख) पथेर पांचाली

(ग) शतरज के खिलाड़ी

(घ) सोने का किला

उत्तर- (ख) पथेर पांचाली

4. प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास 'पथेर पांचाली' के लेखक कौन हैं?

(क) शरदचंद्र चट्टोपाध्याय

(ख) बिभूतिभूषण बंदोपाध्याय।

(ग) ईश्वरचंद्र विद्यासागर।

(घ) रवींद्रनाथ टैगोर।

उत्तर- (ख) बिभूतिभूषण बंदोपाध्याय।

5. फिल्म 'पथेर पांचाली' कितने वर्ष में बनी?

(क) ढाई साल

(ख) तीन साल

© JCERT not to be republished

(ग) चार साल

(घ) पांच साल

उत्तर–(क) ढाई साल

6. 'पथेर पांचाली' फिल्म की भाषा क्या थी?

(क) बंगला

(ख) हिंदी

(ग) गुजराती

(घ) मराठी

उत्तर– (क) बंगला

7. बांग्ला में 'पथेर' का क्या अर्थ है–

(क) घर

(ख) गांव

(ग) रास्ता (पथ)

(घ) घाट

उत्तर– (ग) रास्ता (पथ)

8. 'पांचाली' बांग्ला भाषा में गाए जाने वाला एक –

(क) एक लोकगीत है

(ख) एक नृत्य शैली है

(ग) एक नाट्य शैली है

(घ) इनमें से सभी

उत्तर– (क) एक लोकगीत है

9. फिल्म निर्माण के समय लेखक कहां काम करते थे?

(क) विद्यालय में

(ख) एक विज्ञापन कंपनी में।

(ग) हस्पताल में

(घ) भवन

उत्तर– (ख) एक विज्ञापन कंपनी में।

10. 'पथेर पंचाली' फिल्म की शूटिंग किस गांव में हुई थी

(क) बोड़ाल गांव में।

(ख) काशीनाथ गांव।

(ग) रामपुर गांव।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– (क) बोड़ाल गांव में।

11. फिल्म में अपू की भूमिका निभाने वाले बाल कलाकार का क्या नाम था ?

(क) सुबीर बनर्जी

(ख) दुर्गेश चटर्जी

(ग) विधान राय

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर– (क) सुबीर बनर्जी

12. अपू कितने वर्ष का था?

(क) तीन वर्ष का

© JCERT not to be republished

(ख) चार वर्ष का

(ग) पांच वर्ष का

(घ) छह वर्ष का

उत्तर- (घ) छह वर्ष का

13. फिल्म में अपू और दुर्गा किस भूमिका को निभा रहे थे?

(क) भाई -बहन।

(ख) माता -पिता।

(ग) मित्र का।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (क) भाई -बहन।

14. अपू की भूमिका निभाने के लिए लड़के के भेष में आई हुई लड़की का क्या नाम था?

(क) बेबी

(ख) शुभ्रा

(ग) टिया

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ग) टिया

15. अपू की भूमिका निभाने वाले लड़के की तलाश में लेखक ने क्या किया?

(क) अखबार में इश्तहार (विज्ञापन) दिया

ख रेडियो में इश्तहार दिया

(ग) दूरदर्शन में इश्तहार दिया

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(क) अखबार में इश्तहार (विज्ञापन) दिया

16. इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली महिला का क्या नाम था?

(क) चुन्नीबाला देवी

(ख) गीता देवी

(ग) संगीता देवी

(घ) सीता देवी

उत्तर- (क) चुन्नीबाला देवी

17) चुन्नीबाला देवी की आयु क्या थी?

(क) अस्सी साल

(ख) साठ साल

(ग) पचास साल

(घ) नब्बे साल।

उत्तर- (क) अस्सी साल

18) अपू की बहन का क्या नाम था?

(क) काली

(ख) दुर्गा

(ग) देवी

(घ) पार्वती

उत्तर- (ख) दुर्गा

19) अपू की मां का क्या नाम था?

(क) सर्वजया

© JCERT not to be republished
JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

(ख) दुर्गा

(ग) देवी

(घ) पार्वती

उत्तर- (क) सर्वजया

20) अपू और दुर्गा के पालतू कुत्ते का क्या नाम था?

(क) कालू

(ख) भूलो

(ग) टॉमी

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ख) भूलो

21) श्रीनिवास कौन था?

(क) सब्जी बेचने वाला

(ख) फल बेचने वाला

(ग) मिठाई बेचने वाला

(घ) रिक्शा चलाने वाला

उत्तर- (ग) मिठाई बेचने वाला

22) शूटिंग के दौरान किन दो पात्रों की मृत्यु हो जाती है?

(क) भूलो और श्रीनिवास

(ख) राम और श्याम

(ग) वृद्ध व्यक्ति

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (क) भूलो और श्रीनिवास

23) बच्चों की उम्र बढ़ने की चिंता किसे सता रही थी?

(क) शिक्षक को

(ख) माता पिता को

(ग) लेखक को

(घ) डॉक्टर को

उत्तर- (ग) लेखक को

24) फिल्म बनाने में देरी होने के प्रमुख कारण क्या थे?

(क) पैसों का अभाव।

(ख) पात्रों की समस्या।

(ग) समय का आभाव।

(घ) उपरोक्त सभी।

उत्तर- (घ) उपरोक्त सभी।

25) फिल्म में काम करने वाले बाल कलाकारों के नाम क्या थे?

(क) सीता और गीता।

(ख) श्रीनिवास और भूलो।

(ग)) दुर्गा और अपू।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (ग) दुर्गा और अपू।

26) काश फूल से भरा मैदान कहां स्थित था?

(क) रेल- लाइन के पास।

(ख) पहाड़ के पास

© JCERT not to be republished

(ग) जंगल के पास

(घ) घर के पास

उत्तर- (क) रेल- लाइन के पास।

27) बॉयलर में कोयला झोंकने का काम कौन कर रहे थे, ताकि काला धुआं उठ सके?

(क) लेखक

(ख) अनिल बाबू

(ग) धोबी

(घ) सुबोध बाबू

उत्तर- (ख) अनिल बाबू

28) लेखक समय पर बारिश का दृश्य क्यों नहीं फिल्मा पाएं?

(क) पात्रों के कारण

(ख) पैसों की कमी के कारण।

(ग) मौसम के कारण

(घ) इन्में से कोई नहीं

उत्तर- (ख) पैसों की कमी के कारण।

29) लेखक बारिश का दृश्य कब फिल्मा पाते हैं?

(क) वसंत ऋतु में

(ख) शिशिर ऋतु में

(ग) शरद ऋतु में

(घ) हेमंत ऋतु में

उत्तर- (ग) शरद ऋतु में

30) शरद ऋतु में लेखक ने किन-किन दृश्यों का फिल्मांकन किया?

(क) काश फूल और वर्षा ऋतु का

(ख) बादल का

(ग) बगीचे का

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (क) काश फूल और वर्षा ऋतु का

31) काश फूल की शूटिंग के दौरान कितने रेलगाड़ियों को फिल्माया गया?

(क) एक

(ख) दो

(ग) तीन

(घ) चार

उत्तर- (ग) तीन

32) सर्वजया अपू को फिल्म में क्या खिलाती दिखाई गई हैं?

(क) भात(चावल)

(ख) रोटी

(ग) दूध- रोटी

(घ) पुलाव

उत्तर- (क) भात(चावल)

33) सर्वजया अपू को भात खिलाती है इसे कौन ललचाए निगाहों से देख रहा होता है?

(क) गाय

© JCERT not to be republished

(ख) बंदर

(ग) बकड़ी

(घ) भूलो कुत्ता

उत्तर- (घ) भूलो कुत्ता

34) 'कंटिन्यूटी' शब्द का अर्थ बताएं?

(क) निरंतरता

(ख) जोड़

(ग) बिना टूटे हुए

घ इनमें में से सभी।

उत्तर- (घ) इनमें में से सभी।

35) फिल्म में भूलो कुत्ता को किसके पीछे दौड़ना रहता है?

(क) भाई-बहन के पीछे।

(ख) लेखक के पीछे।

(ग) धोबी के पीछे के पीछे।

(घ) सर्वजया के पीछे।

उत्तर- (क) भाई-बहन के पीछे।

36) सुबोध दा कौन थे?

(क) बोड़ाल गांव का एक व्यक्ति

(ख) शिक्षक

(ग) एक बच्चा

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (क) बोड़ाल गांव का एक व्यक्ति

37) अपू- दुर्गा किसकी ओर ललचाई निगाहों से देख रहे थे?

(क) खिलौने वाले की ओर

(ख) मिठाई वाले की ओर

(ग) आइसक्रीम वाले की ओर

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) मिठाई वाले की ओर

39) फिल्मकार जिस घर में शूटिंग किया करते थे वह घर कैसा था?

(क) टूटा हुआ

(ख) बढ़िया

(ग) सुंदर

(घ) बड़ा

उत्तर- (क) टूटा हुआ

40) जिस घर में शूटिंग हो रही थी उसका मालिक कहां रहता था?

(क) मुंबई

(ख) कोलकाता

(ग) चेन्नई

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) कोलकाता

41) साउंड रिकॉर्डिस्ट का क्या नाम था?

(क) रमेश बाबू

(ख) महेश बाबू

© JCERT not to be republished

(ग) विपिन बाबू

(घ) भूपेन बाबू

उत्तर- (घ) भूपेन बाबू

42) भूपेन बाबू ने कमरे में क्या देखा था?

(क) सांप

(ख) बिच्छू

(ग) छिपकली

(घ) चमगादड़

उत्तर- (क) सांप

43) स्थानीय लोगों के मना करने के कारण सांप को मारा नहीं जा सका क्योंकि वह एक-

(क) वास्तु सर्प था

(ख) विषैला सर्प था

(ग) दंत रहित सर्प था

(घ) काला सर्प था

उत्तर- (क) वास्तु सर्प

44) सत्यजीत राय के लिए फिल्म बनाना क्या था?

(क) कला- माध्यम

(ख) व्यावसायिक -माध्यम

(ग) कला और व्यवसायिक माध्यम

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (क) कला- माध्यम

पाठ के आसपास

ऑस्कर-ऑस्कर फिल्म व्यवसाय से जुड़े सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, कलाकार एवं तकनीशियन को दिए जाने वाला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार है जो अमेरिका के अकादमिक ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा प्रदान की जाने वाली अकेडमी पुरस्कार है। सत्यजीत राय प्रथम भारतीय हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्राप्त हुआ था।

भारत रत्न पुरस्कार-भारत रत्न पुरस्कार भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यह पुरस्कार ऐसे व्यक्तियों को दिया जाता है जो राष्ट्रीय हित के लिए काम करते हैं। कला विज्ञान साहित्य आदि क्षेत्रों में यह पुरस्कार दिया जाता है। कला क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सत्यजीत राय को भारत रत्न पुरस्कार से 1992 में सम्मानित किया गया था।

पथेर पांचाली-पथेर का अर्थ है रास्ता और पांचाली का अर्थ है बांग्ला भाषा में गाए जाने वाला एक लोकगीत।

एवेन्यू-पेड़ से घिरा चौड़ा सड़क।

वास्तुसर्प-वह सर्प (सांप) जो घर में अक्सर दिखाई देता है। मान्यता के अनुसार उसे कुलदेवता (बांग्ला में वास्तुसर्प) कहते हैं।

काश फूल- एक तरह का घास जो शरद ऋतु के आगमन पर खिलता है।

© JCERT not to be republished